॥ॐ॥

शिव ॐ साई
प्रकाशन

SHIV OM SAI PRAKASHAN

“श्री मनोज ठक्कर को साहित्य शिरोमणी और साहित्य भूषण सम्मान”

24 सितम्बर 2013 इंदौर। श्री मनोज ठक्कर को उनकी सृजनात्मक साहित्यिक कृति "काशी मरणान्मुक्ति" के लिए राष्ट्रीय स्तर की दो विभिन्न राज्यों की संस्थाओं द्वारा साहित्य सम्मान दिया जायेगा।

शिक्षा व धर्म संस्कृति पत्रिका संस्था, जीन्द (हरियाणा) द्वारा 27 अक्टूबर 2013 को उनके चतुर्थ अखिल भारतीय साहित्यकार सम्मान समारोह में '**साहित्य शिरोमणी**' सम्मान से श्री ठक्कर को सम्मानित किया जायेगा। साथ ही शिक्षक विकास परिषद् बेलगाम, कर्नाटक द्वारा उनके 19वें राष्ट्रीय शिक्षण कॉन्फ्रेंस समारोह में उन्हें '**साहित्य भूषण**' सम्मान से अलंकृत किया जायेगा |

ज्ञात हो की लेखक मनोज ठक्कर को कुछ समय पूर्व ही साहित्य सदन भोपाल द्वारा अम्बिका प्रसाद '**दिव्य पुरुस्कार**' उनकी इसी कृति काशी मरणान्मुक्ति लिए घोषित किया गया था। जिसका कार्यक्रम इस वर्ष के अंत में होने की संभावना है।

मृत्यु से जीवन को सिखाने वाली इस कृति को शुरुआत से ही साहित्य एवं अध्यात्म क्षेत्र में लगातार उपलब्धियाँ प्राप्त हो रही है। श्री ठक्कर जी ने बताया की इसका अंग्रेजी अनुवाद पर भी कार्य हो रहा है और अगले वर्ष तक इसका अंग्रेजी संस्करण भी पाठकों के लिए उपलब्ध होगा।

||ॐ||

शिव ॐ साई प्रकाशन

SHIV OM SAI PRAKASHAN

श्री ठक्कर जी ने अपने लेखन कार्य को आगे बढ़ाते हुए अपनी एक और रचना 'दी मिस्टिक फैथ' को अंतिम रूप दे चुके है। यह कृति महाकुम्भ पर्व पर आधारित छायाचित्र एवं वहां आयोजित प्रथाओं, संतो, महात्माओं के आध्यात्मिक समागम का भावपूर्ण व अविस्मरणीय संग्रह है, इसका विमोचन अक्टूबर माह में होगा।

लेखक अपने को माध्यम मान दोनों ही कृतियों को उनके गुरु श्री शिर्डी साई बाबा एवं काशी विश्वनाथ का ही प्रसाद मानते है और इसलिए इसके विक्रय से प्राप्त राशि को वे सामाजिक कार्य हेतु समर्पित करने के अपने संकल्प पर प्रतिबद्ध है।

प्रति,

सम्पादक महोदय/ महोदया,

………………………………

95/3 Vallabh Nagar, Indore-03 (M.P.), India T: +91 731 4225754, 2562217